ज्योति जलाना

ठीक है, क्या यह है... [एक भाई कहता है, "आपका माइक्रोफोन *यह* है।"—सम्पा।] यह वाला मुख्य है? धन्यवाद, श्रीमान। ["*यह* माइक्रोफोन काम कर रहा है।"] जी हां, श्रीमान। ठीक है। मैं देखता हूं कि उन्हें थोड़ी गुंज सुनाई पड़ रही है, और... शुभ प्रात: मित्रों। क्या आप मुझे पीछे ठीक से सुन पा रहे हैं? [सभा कहती है, "हां।"] यह रुक गया। धन्यवाद।

2 निश्चय ही, मैं भाग्यशाली व्यक्ति हूं, इस प्रात:, कि इस प्रचार मंच पर आऊं, इतनी शानदार गवाहियों के पश्चात जो दी गई; थोड़ा सा और बढ़ाने का—का यत्न किया, उससे जो उन्होंने कहा, कि अपने लिए आशीष आये, जैसा कि इस प्रात: हम आनंदित हुए। अब, मैंने ध्यान दिया कि उन में से कुछ...

3 [ध्वनि यंत्र आवाज करता है, एक भाई कहता है, "मैं सोचता हूं कि इसे हम बीच में रखे, भाई ब्रन्हम।"—सम्पा।] ठीक है, श्रीमान। क्या यह ठीक है?

4 यहां किसी व्यक्ति के साथ, वे कैसे बोले, और विशेष हर कोई... यहां हर कोई के पास वास्तविक अच्छी गवाही है। मैं इसकी कितनी सराहना करता हूं, प्रभु के लिए शानदार गवाही।

अब हम वचन की ओर जा रहे हैं।

5 और मैं, इस सप्ताह, मेरे हृदय में यह उद्देश्य था कि लोगों को दो या तीन घंटे सुनने के लिए ना बिठाऊं। मैं मित्रों आपको बताता हूं कि मैं—मैं क्या करता हूं। मैं अशिक्षित हूं, और मैं केवल प्रेरणा के द्वारा बोल सकता हूं। अब, एक व्यक्ति जिसके पास शिक्षा है, जब वह भी प्रेरित होता है; परंतु वह व्याख्या कर सकता है कि वह क्या बात कर रहा है, अपनी शिक्षा के द्वारा, शब्द निकल कल लाता है, जिससे लोगों को पता लग जाता है, कि वह क्या बात कह रहा है। बिना शिक्षा कि मुझे प्राकृतिक के प्रतीक लेने पड़ते हैं, और प्रेरणा के द्वारा प्रगट करता हूं, जो मेरे पास है। और यह कभी–कभी बहुत ही कठिन है, उन लोगों के लिए जो वास्तव में समझता है। हम पाते हैं, मैं इस विषय में बहुत ही व्याकुल था, मैं जब तक यह मैंने

बाईबल में ना पा लिया कि परमेश्वर ने भी इसी प्रकार किया है, इसी तरह से।

6 हम ध्यान देते हैं, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के समान, जब कि हमारे पास उसकी शिक्षा का कोई अभिलेख नहीं है, और फिर जब वह जंगल में से निकल कर आया तो उसने बोलना आरंभ किया... उसकी भक्त मंडली उस दिन कि कलीसिया थी। और हम देखते हैं कि वह कैसे इस प्रगट करता है। उसने कहा, "तुम सांप की संतानों।" देखिए, वह इसी का आदि था, प्रकृति और जंगल; दूसरे शब्दों में, कुछ जो फिसलनदार और पतला, और धोखा देने वाला। अब कुछ दूसरे व्यक्ति इस योग्य होगा कि कुछ वचन निकाल कर आये जो यह कहेगा "नकलबाज" या कुछ शब्द जिसे वह प्रकट कर सकेगा। परंतु यूहन्ना ने "सांप" शब्द का प्रयोग किया, मैं सोचता हूं हर कोई समझ गया कि उसने किस विषय में कहा।

7 इसलिए फिर उसने कहा, "अपने आप में अपने विचार में सोचकर मत कहो कि 'हम *इस* कलीसिया से संबध रखते हैं और हम *उस* कलीसिया से संबध रखते है,' क्योंकि मैं तुम्हें बताता हूं परमेश्वर योग्य है कि इन चट्टानों से जो यहाँ है," देखिए, देखिए और कोई दूसरा बड़ा नहीं। "परमेश्वर योग्य है कि चट्टानों से।" उसने इसे प्राकृतिक रूप में व्यक्त किया।

8 और यह भी, कि, "कुल्हाड़ा पेड़ की जड़ पर रखा है।" कुछ अच्छे पढ़े लिखे भाई, इसी प्रेरणा के साथ कह सकते हैं, "वह सत्यानाश कर देगा।" उसने कहा, "कुल्हाड़ा पेड़ की जड़ पर रखा है।" यह नाश कर देगा, जो भी हो, इसलिए वह—वह जानता था कि यह था। उसके यह भाव प्रगटीकरण थे, क्योंकि संभवत: वह कभी किसी विद्यालय में नहीं गया।

आइए एक क्षण को हम अपने सिरो को झुकाए।

9 यहां मेरे पास प्रार्थना के लिए निवेदन है। जो कि यह मेरी सेवकाई है कि बीमारों के लिए प्रार्थना करूं। यहां मेरे पास कुछ निवेदन है, बहुत से विचित्र निवेदन। और मैं जानता हूं, यहां बहुत से हैं। और यदि यहां इस प्रात: कुछ है, जो चाहते हैं कि उन्हें स्मरण किया जाये? अच्छा, यदि आप अपना हाथ परमेश्वर की ओर उठायेंगे, कहे, "मैं... " अब अपने निवेदन को जब हम प्रार्थना करते हैं, थामे रहे।

10 हमारे स्वर्गीय पिता, अब हम आपकी पवित्रताई की ओर अग्रसर हो रहे हैं, आपके पवित्र बालक के नाम से होते हुए, प्रभु यीशु, इस निवेदन

को मांगते हुए प्रत्येक व्यक्ति जिन्होंने अपने निवेदन लिखे हैं, जो कि यहां ये मेरे हाथ में है। विशेषकर इस भाई की जवान, सुंदर लड़की जो कि दुर्घटना से टूट गई है, प्रभु मैं इस बालक के लिए प्रार्थना करता है। और बाकी सब निवेदनो के लिए प्रार्थना करता हूं। और वे जो हमारे लिए गुप्त है, केवल उनके लिये जिन्होंने अपने हाथ उठाए हैं; परंतु आप तो अनंत परमेश्वर है, और आप तो हर उद्देश्य और हमारे हर निवेदन को जानते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उत्तर देंगे। क्योंकि आपने इसकी प्रतिज्ञा की है, हम इसका विश्वास करते हैं।

11 और हम आप से प्रार्थना करते हैं कि आप इन थोड़े से शब्दों को लेंगे, जो हम पढ़ेंगे और हमारे लिए प्रेरणा देंगे, प्रभु, जैसा कि हम आपके ऊपर निर्भर करते हैं। होने पाये पवित्र आत्मा प्रत्येक को समीप ले आए, और हम पर वचन का अनुवाद प्रगट करें। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

12 [माइक्रोफोन के विषय में एक भाई कहता है, "भाई ब्रन्हम क्या हम इसे टेस्ट करके देख सकते हैं कि यह कार्य कर सकता है? "—सम्पा।] जी हां श्रीमान, भाई, स्वयं अपनी सहायता कर ले। यह ठीक है। जबकि मैं निकाल रहा हूं, मेरे पास एक...

13 होता था कि मैं अपने पवित्र वचनो आदि को स्मरण रख सकता था, बिना लिखे, परंतु जब से मैंने अपने पच्चीस पूरे किए हैं, यह उतना अच्छा कार्य नहीं करता। मुझे इसे लिखकर याद रखना होता है। अब जा रहे थे...

14 क्या यह पहले से अच्छा है? क्या आप इसे और अच्छा सुन सकते हैं? नहीं। पीछे वे अपने सिर हिला रहे हैं। संभव है... [एक भाई कहता है, "आपको ठीक इसके सामने खड़ा होना पड़ेगा।"—सम्पा।] खड़ा होना है... ["ठीक सामने।"] ठीक है और *इस* प्रकार कैसा रहेगा, क्या आप इसे सुन सकते हैं? *इसके* विषय में, यह अच्छा है? ठीक है। यह अच्छा है।

15 अब मैं ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, यशायाह 42:1–7 की—की ओर, और मत्ती 4:15–16 पर भी।

> *मेरे दास को देखो जिसे मैं संभाले हूं; मेरे चुने हुए को, जिससे मेरा जी प्रसन्न है; मैंने उस पर अपना आत्मा रखा है: वह अन्यजातियों के लिए न्याय प्रकट करेगा।*

ना वह चिल्लाएगा, न वह ऊंचे शब्द से बोलेगा ना सड़क में अपनी वाणी सुनायेगा।

कुचले हुए नरकट को वह ना तोड़ेगा... ना टिमटिमाती बत्ती को बुझायेगा; वह सचाई से न्याय चुकाएगा।

वह ना थकेगा, और ना हियाव छोड़ेगा, जब तक वह न्याय को पृथ्वी पर स्थिर ना करें; और द्वीपों के लोग उसकी व्यवस्था बाट जोहेंगे।

प्रभु... यो कहता है, वो जो आकाश को सृजने और तानेनवाला है; जो उपज सहित पृथ्वी का फैलाने वाला; *और उस पर के लोगों को सास और उस पर के चलने वालों को आत्मा देने वाला यहोवा है; वह यो कहता है:*

मुझे यहोवा ने तुझको धर्म से बुलवा लिया है और मैं तेरा हाथ थाम कर... तेरी रक्षा करूंगा, मैं तुझे प्रजा के लिए वाचा और जातियों के लिए प्रकाश ठहराऊंगा।

कि... तू अंधो की आंखें... खोलें, और बंधुओं को बंदीगृह से *निकाले और अंधियारे में बैठे हैं उनको... काल कोठरी से निकाले।*

16 और अब संत मत्ती 4, 12वे पद से आरंभ करके हम यह पढ़ते हैं।

जब उसने यह सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया तो वह गलील को चला गया;

... और नासरत को छोड़कर कफर नहूम में, जोकीचड़ झील के किनारे जबूलून और नप्ताली के देश में है जाकर रहने लगा:

ताकि जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो,

कि जबूलून और नप्ताली के देश झील के मार्ग से यर्दन के पार अन्यजातियों का गलील;

जो लोग अंधकार में बैठे थे उन्होंने बड़ी ज्योति देखी; और जो मृत्यु के देश और छाया में बैठे थे, उन पर ज्योति चमकी।

उस समय से यीशु प्रचार करना और यह कहना आरंभ किया... कि मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।

17 प्रभु अपने वचन पर आशीष दे! अब इस प्रात: का मेरा विषय है; *ज्योति जलाना*। और उतनी जल्दी जितना मैं कर सकता हूं, ताकि आप अगली युक्ती के लिए बाहर निकल सके, जो कि लगभग पैतालीस मिनटों में होगा।

18 आप जानते हैं, श्रीमान मैक अनेली, मैं सोचता हूं कि वह यहां उपस्थित है। मैंने बाहर उसका ट्रक देखा है। कुछ समय पहले, हम यहां अपनी पहली यात्रा पर एरीजोना में बैठे थे कि शिकार पर जाये। हम यहां बाहर अंधविश्वास के पहाड़ के पास बैठे थे। मैंने इसके विषय में बहुत पहले सुना था और बहुत सी दंतकथाएं सुनी थी जो कि अंधविश्वास के विषय में बताई गई थी। मुझे उसको देखना स्मरण था, पहली बार; यह दिन निकलने से पहले था, और एक बड़ी आत्मा की छाया मेरे पूर्व की ओर टंगी थी, जो कि अंधविश्वास करके जानी जाती थी। मैंने इन्डियन्स के विषय में सुना था, कैसे वे इसके समीप नहीं जायेंगे, कैसे वे डरते थे, आरंभ के दिनों में स्पेनिश वासी कैसे उनसे दुव्यवहार करते थे जब वे सोना ढूंढ रहे थे। उन्होंने दावा किया कि प्रेत आत्माएं इसमें रहती है। इससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई। परंतु पहले उस अंधविश्वास को देखने के लिए मेरे पास केवल तेज जलने वाली टॉर्च थी।

19 और मैंने जब तक उस पर ध्यान दिया, कुछ देर पश्चात जबकि सूर्य कि महानता उस अंधकार पर आने लगी। और जब यह हुआ, इसने अंधकार को ज्योति से अलग किया, और अंधकार को वापस कर दिया। अतत:, वह अपनी ऊंचाई पर आयी, उस पहाड़ की चोटी पर, और इसने अंधविश्वास का दिखाया कि वह क्या था। यह चमका और दिखाया कि यह क्या था। और उस अंधविश्वास के सारे भूत और भय, जब सूर्य उस पर अपनी सामर्थ में चमक रहा था, सब भाग गया।

20 सूर्य पृथ्वी पर सारी ज्योतियो का राजा है प्राकृतिक ज्योतियों में। कोई मतलब नहीं हमारे पास कितनी बनावटी ज्योतियां हो सकती है, और हम बिजली की कितनी किरणें उत्पन्न कर सकते हैं; जब वह सूर्य उगता है, बाकी सब फीके पड़ जाते हैं।

21 यही चीज परमेश्वर के वचन के साथ है। जब परमेश्वर का वचन चढ़ता है, तो सारे अंधविश्वास, नामधारी की हठ धार्मिकता और बातें, फैली हुई, और यह दर्शाता है कि सही में यह क्या है। परमेश्वर ने आरंभ में कहा, "उजियाला हो जाये।" केवल उजियाला आता है, वह सच्ची ज्योति, वह राजा ज्योति, परमेश्वर के वचन के द्वारा आती है। परमेश्वर ने ज्योति को

अंधकार से अलग किया, आरंभ में। और परमेश्वर का वचन प्रगट हुआ सदा ज्योति को अंधकार से अलग करता है।

22 लोग *इस*, *उस* या *उसके* साथ खड़े होते हैं; साम्यवाद, फासीजम, और दूसरे वाद उठ सकते हैं; अंधविश्वास, पंथ, ये कुछ भी हो सकता है उठ सकता है। परंतु जब ज्योति का राजा बाइबल उठती है, सारे अंधविश्वास और चीजें... परंतु, आप देखिए, हम जानते हैं कि वहां है, परंतु जब तक यह प्रमाणित ना हो, इसकी ज्योति को सिद्ध करें; जो हमारे पास कोई अधिकार नहीं कि इसके विरोध में विवाद करें, क्योंकि यह बाकी सारी दूसरी ज्योति को बंद कर देता है। यीशु ने कहा, "हर मनुष्य का वचन झूठा, और मेरा सच्चा ठहरे," उसका वचन सारे मनुष्यो के वचन के ऊपर सर्वोच्च है, कोई भी चीज उसका वचन ज्योति है।

23 और हम जानते हैं कि आरंभ में इसे धुधंला होना चाहिये निराशाजनक और अंधेरा, जैसा संसार घूम रहा है, और जब परमेश्वर ने यह जाना कि उसे उजियाले की आवश्यकता है। अब, उसका बीज पहले ही पृथ्वी में था, क्योंकि उसने उसे वहां पर डाला था। अब उस बीज को उगने के लिए उजियाले की आवश्यकता थी, कि वह बीज जीये, क्योंकि बीज पहले ही वहां था।

24 जैसा कि यह प्रत्येक युग में था, परमेश्वर ने पहले ही बता दिया कि प्रत्येक युग में क्या होगा। केवल एक ही चीज की आवश्यकता है कि वह उजियाला परमेश्वर का उस वचन पर प्रगट हो कि उस युग के लिए उसे जीवित करें बस... ? ... और ये करेगा, जब तक उजियाला उस वचन पर आ सकता है, यदि वचन अंकुरित होता है, वह इसे जीवित करेगा, यदि ये उस दिन की प्रतिज्ञा है।

25 आप एक समय गेहूं उगा सकते हैं, या दाना दूसरे समय। कुछ एक दूसरे से धीरे ऊगते हैं, क्योंकि यह ऋतु पर निर्भर करता है।

26 परमेश्वर का वचन ऋतु में आता है, वह विधान और अनुग्रह और आदि आदि जैसा कि हम युगो से होकर निकलते हैं। और हर बार, यह उजियाले के फैलने प्रगट होने से जी उठता है, वह जीवन जो उस बीज में है।

27 परमेश्वर के वचन के द्वारा आज सूर्य चमकता है, क्योंकि ये सूर्य जिसमें हम आनंद करते हैं, यह परमेश्वर के वचन का प्रगटीकरण है। यह सूर्य का

उजियाला जो हम बाहर देखते हैं परमेश्वर के वचन को छोड़ और कुछ नहीं है, जब उसने कहा, "उजियाला हो जा।"

28 और क्या होता यदि उसने कहा, "वहां उजियाला होने दो," और वहां उजियाला ना होता? तो फिर यह परमेश्वर नहीं बोला, जब परमेश्वर कहता है, "वहां ऐसा हो," वहां होगा। और इसलिए हम पाते हैं कि वह सूर्य जिसका हम अब आनंद लेते हैं उत्पत्ति में ये परमेश्वर का बोला हुआ वचन है।

29 और हम अनुभव करते हैं कि आज का उजियाला उसका पुत्र है। एक सूरज एस–यू–एन था; ये पुत्र एस–ओ–एन पुत्र है। एस–ओ–एन बाईबल है। वह था... "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।" इब्रानियों 13:8, "वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" यह सदा परमेश्वर का वचन था। ये नूह में मसीह था। ये मूसा में मसीह था। ये मसीह दाऊद में था, जिसने नगर पर अस्वीकार हुए राजा के समान दृष्टि डाली; जहां, आठ सौ वर्षों पश्चात मसीह वहां बैठा नगर के लिए रो रहा था, एक अस्वीकार हुआ राजा, जैसा दाऊद था। ये सदा मसीह का आत्मा था। और परमेश्वर के वचन का पूरा प्रगटीकरण मसीह यीशु में होकर परमेश्वर का आत्मा जाना गया।

30 उजियाला के बाहर से कोई जीवन नहीं आ सकता। उजियाला उत्पन्न करता है; उजियाला जीवन उत्पन्न करता है। कोई जीवन—जीवन नहीं हो सकता, जीवन बिना उजियाले के, प्रकृतिक या आत्मिक। वहां होना ही है।

31 उजियाला केवल परमेश्वर के वचन के द्वारा ही आ सकता है। परमेश्वर का वचन जब प्रगट होता है, तो वह उजियाला है। ये बस एक बीज है, जो वहां है, जैसा कि परमेश्वर ने सारे बीज बोये।

32 हमारे शरीर पहले पृथ्वी पर पर थे... इसके पहले कोई उजियाला होता कोई भी जीवन जो यहां है, या कुछ भी; कैल्शियम, पोटाश, पेट्रोलियम और अंतरिक्ष किरण, यहां जो कुछ भी था, यही—यही था जब परमेश्वर ने पृथ्वी की रचना की। इसने केवल उसका बोला हुआ वचन लिया कि उसे अस्तित्व में ले आये, जैसे कि इसने वनस्पति जीवन से किया, या वृक्ष के जीवन से, जो भी, या जिस प्रकार का जीवन वहां था।

33 बिना उसके उजियाले के कुछ भी जीवित नही रहा सकता, प्राकृतिक या आत्मिक, और या उसका वचन उजियाला और जीवन है।

34 परंतु जब वह अपना उजियाला भेजता है, और लोगों पर प्रगट करता है, और फिर यह अस्वीकार किया जाता है, तो फिर उस विषय में क्या है? यही है जिस विषय में हम आज प्रात: बात करना चाहते हैं, वो है: इस उजियाले को अस्वीकार करना, उनके द्वारा ये जिनके लिए भेजा गया, वैसे ही पहले के समान अस्वीकार किया गया था। "देखो मेरा दास, जिससे मैं प्रसन्न हूं।" वह अन्यजाति के लिए ज्योति है। वह संसार के लिए उजियाला है। वह संसार का उजियाला था, परंतु वह अस्वीकार किया गया था। यह दु:ख की बात है।

35 और यह स्थिति हर बार हुई कि परमेश्वर ने अपनी ज्योति प्रगट की, संसार में स्वयं इस उजियाले को अस्वीकार किया। क्यों? ये ठीक यहां बाईबल में लिखा हुआ है। हर युग के लिए, परमेश्वर अपने वचन का भाग हर युग के लिए ठहराया है, और वह सदा किसी को वह वचन प्रगट करने के लिए भेजता है।

36 यीशु की भविष्यवाणी चार हज़ार वर्षों पहले की गई थी, कि वह मसीह आएगा। और जब वह आता है, तो वह मसीह की हर प्रतिज्ञा को प्रगट करता है। परंतु फिर भी संसार के लोग, कलीसियाये और आदि–आदि, उसके विषय में कुछ नहीं जान पाये, क्योंकि, उनके पास कुछ दूसरी चीजे, जिससे वे उसे नहीं जान पाये। अब क्या हो यदि एक—एक व्यक्ति...

37 हम स्वाभाविक भाग को लेंगे। क्या हो यदि एक व्यक्ति, जो सूर्य के उजियाले में चलने के लिए यहां जन्मा है, जिसके लिए परमेश्वर ने उसकी सृष्टि की, और, पहली बात हम जानते हैं, वह अपनी आंखें बंद कर लेता है, और तहखाने में भाग जाता है, दरवाजा बंद करता है, पर्दे खींच लेता है, और सूर्य के चमकने का इंकार करता है? वह अपने सौभाग्य को अस्वीकार करता है। वह उसकी गर्म किरणों का इंकार करता है, यह जीवन देने वाला स्त्रोत है, वह उस ज्योति को अस्वीकार करता है, जो फैली हुई है ताकि देख सके, वह कहां जा रहा है, वह कहां से आया है। वह इसका इंकार करता है। आप उस व्यक्ति को क्या कहेंगे जो पर्दों को खींच ले, या तहखाने में भाग जाये और सारी बत्तियां बुझा लें, हर कहीं की, और बस सूर्य के चमकने का इन्कार करें? उस व्यक्ति के मस्तिष्क में कहीं गड़बड़ी है। कोई भी यह जानता है। एक स्वाभाविक मस्तिष्क आपको बताएगा कि उस व्यक्ति के साथ कुछ गड़बड़ी है, कि वह, वह—वह... उसके साथ कुछ घटित हुआ

है। वह अपना विवेक खो चुका।

38 भाई, ऐसा ही इस घड़ी में है जिसमें हम जी रहे हैं, जब मनुष्य स्वयं को किसी प्रकार के—के बहानों से ढाक लेगा, कि वास्तव में सुसमाचार के उजियाले को पहचानना जैसा कि यह चमक रहा है जैसे कि आज। जब मनुष्य जानकर इससे फिर जाये, किसी और चीज को मैं जाता है, और पर्दे खींच लेता है, कहता है, "मैं विश्वास नहीं करता," उस व्यक्ति के साथ कुछ गड़बड़ है। उसके फिरने की कोई विधि नहीं है। कुछ गड़बड़ है, उसे कुछ हो गया है। और हम पाते हैं कि वहां आज बहुत है।

39 अब यीशु सारे प्रेरित भविष्यवक्ताओं कि गवाही था। और उनकी सारी भविष्यवाणियां उसके युग में उजियाले में लाई गई, जो कि उसके युग के लिए भविष्यवाणियां करी गई थी। उसके वचन के हर चिराग को जला दिया जो बाइबल में था, जो उसके विषय में भविष्यवाणी की गयी थी। "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" वह हुई। ठीक है। "उसका नाम युक्ति करने वाला होगा, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सदा काल का पिता।" वह था। "और अंधे की आंख देखेगी।" उन्होंने देखा। हर बात जो उसके विषय में भविष्यवाणी की गई जब वह धरती पर आया घटित हुई।

40 और लोग ये क्यों नहीं देख सके, जो था... यह हमे विचित्र प्रतीत हुआ, क्योंकि हम पीछे देखने वाले दर्पण में देख रहे थे। परन्तु क्या आपने कभी जाना, यदि आप पीछे ही देखते रहेंगे इस प्रकार से, आप नष्ट हो जायेंगे? आइए जो हमारे आगे हैं उसे देखें।

41 यही जो वे कर रहे थे। कारण कि उन्होंने यह किया, क्योंकि वे दूसरे उजियाले की चमक में जी रहे थे, वह दूसरे दिन के उजियाले की चमक में जी रहे थे।

42 और यही जो मैं विश्वास करता हूं कि आज के संसार का मामला है, मित्रों, क्योंकि हम उजियाले की उस चमक में जीने का यत्न कर रहे हैं, जो दूसरे दिन में चमका। एक चमचमाहट झूठा उजियाला है।

43 जैसे की सड़क की मरिचिका। हम सड़क पर जाते हैं, और एक मरिचिका देखते हैं, यह सूर्य की झूठी धारणा है। और जब आप वहां पहुंचते हैं, तो वहां कुछ भी उत्पन्न ना होता, परंतु कुछ झूठा है। क्योंकि आप सुर्य की चमक में नहीं चलते, क्योंकि यह एक मिरिचिका है, जहां कुछ नहीं है, वहां कुछ दर्शाता है।

44 और जब लोग आपको बताने का यत्न करते हैं कि यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा नहीं है, वे आपको मिरिचिका में ले जा रहे हैं। बस। और जब आप कलीसिया में जाते उसके सदस्य बनते हैं कुछ ठंडे मतसार या कुछ इस प्रकार का, वहां कुछ भी नहीं है, उससे अधिक नहीं, जो आपके पास संसार में था।

45 मैं आपको बताऊंगा। यीशु मसीह के सुसमाचार के उजियाले को इंकार मत करना, जो पवित्र आत्मा के चेतावनी की किरणे आप पर लाती है, आपको यीशु मसीह में नयी सृष्टि बनाता है। किसी और युग की चमक में चलने का यत्न ना करें, अब हो सकता है, वह चमक ठीक हो सकती है, उस दूसरे युग में, यह उनके लिए ठीक हो सकती है।

46 हमारे प्रभु यीशु के दिनों में ये सही सिद्ध हुआ। वह वचन का उजियाला था, उस दिन का। वह ज्योति था। वह तब तक ज्योति नहीं था, जब तक कि वह पृथ्वी पर नहीं आया कि प्रतिज्ञा किए हुए वचन को सिद्ध करें। आप जानते हैं, कि उसने कहा वहां, "यूहन्ना एक चमकता और चमकने वाली ज्योति था, और एक समय के लिए तुम्हें उसके उजियाले में चलना अच्छा लगा।"

47 निश्चय ही यूहन्ना की भविष्यवाणी यशायाह के द्वारा की गई, उसके जन्म के सात सौ बारह वर्षों पहले, "जंगल में एक आवाज पुकार रही होगी।" और फिर मलाकी में भी भविष्यवक्ताओं में अंतिम उसके आगमन के चार सौ वर्षों पहले मला ... मलाकी के 3रे अध्याय में, उसने कहा, "देखो, मैं अपना दूत अपने आगे आगे भेजता हूं कि मार्ग तैयार करें।"

48 यहां यूहन्ना पृथ्वी पर था, लिखे हुए वचन को जीवंत कर रहा था। वह शब्द था जो जंगल में पुकार रहा था, और वह सदा... मसीह के आगे मार्ग भी सुधार रहा था और सुनो। यीशु ने कहा, "तुम्हें उसकी ज्योति में चलना अच्छा लगा, क्योंकि वह वो ज्योति था, चमकदार और उजियाले की ज्योति।"

49 और यूहन्ना ने कहा, "अब मुझे घटना चाहिये, मेरी ज्योति कम होनी चाहिये, क्योंकि (क्यों?) मैंने अपने समय की सेवा कर दी, जिसके लिए मेरी भविष्यवाणी थी। तुम उसकी सुनो! वो ही है। उसका अनुकरण करो।" वह उस दिन में जी रहा था, उसने यह सिद्ध कर दिया।

50 अब, यहूदियों ने सोचा कि वे सच्चे उजियाले में आराधना कर रहे हैं।

उन्होंने सोचा वे आराधना कर रहे थे, यह वहीं परमेश्वर जिसे वे अस्वीकार कर रहे थे। वही जिसके लिए उन्होंने सोचा कि वे आराधना कर रहे हैं, वे उसे क्रूस पर चढ़ा रहे थे। वे उसी परमेश्वर का उपहास उड़ा रहे थे, और उसको लोगों के लिए उपवास पात्र बना रहे थे, वहीं परमेश्वर जिसको उन्होंने सोचा कि उसकी आराधना कर रहे थे।

51 मैं इसे श्रद्धा और सम्मान में कहता हूं, परंतु उजियाला लाने के लिए, क्योंकि जैसे हमारे भाई ने कुछ देर पहले कहा उस समय में रह रहे हैं जिसमें हम सोचते ही नहीं कि हम है। इन्हीं दिनों में कुछ घटित होने जा रहा है, यह देर होने जा रही है। लोग पशु का चिन्ह ले लेंगे, यह ना जानते हुए कि वे क्या कर रहे हैं। "अंधा, अंधे को मार्ग दिखा रहा है, वे सब गड्ढे में गिरेंगे," यीशु ने कहा। जितना हम नहीं सोचते उससे देर में हम जी रहे हैं। बहुत से ईमानदार लोग इसका अनुकरण करते हैं, यह भी ना जानते हुए कि वे क्या कर रहे हैं।

52 परंतु जब ज्योति चमक रही है समय समीप है, सुसमाचार की ज्योति ये यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ है, स्वयं को प्रगट कर रहा है, कि यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। उसने यह इस दिन के लिए निर्धारित किया है। वे बातें जिनकी उसने प्रतिज्ञा की है इस दिन के लिए इसी दिन में घटित होनी है। यदि कलीसिया इसे स्वीकार नहीं करेगी, तो परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करें। अपना संदेश पायेगा, क्योंकि उसने सदा यही किया है। वह सदा सही करेगा।

53 लोग सोच रहे हैं कि वे ज्योति में चल रहे हैं, पूर्वजों के रीति रिवाज, और, पहली बात आप जानते हैं, वे उजियाले की चमक में चल रहे हैं, उसी उजियाले में नहीं, उसी उजियाले को अस्वीकार कर दिया, जिसकी आराधना करने का वे दावा करते हैं।

54 उसके कार्य पूर्णत: प्रमाणित हो गये कि वह कौन था। यीशु ने स्वयं कहा, "पवित्र शास्त्र में खोजो, जिसमें तुम सोचते हो कि तुम्हें अनंत जीवन मिलता है, और वह, वह है जो मेरी गवाही देता है, पाप के लिए मुझे कौन दोषी ठहराता है? " उसने कहा, "कौन सिद्ध कर सकता है कि जो मैने कहा था, या कोई दावा जो मैंने किया उसे स्वर्गीय पिता ने मेरे द्वारा प्रमाणित नहीं किया? " तुम्हें प्रमाणित कर दिया कि वह उस घड़ी की ज्योति थी,

क्योंकि इस सब की भविष्यवाणी की गई कि ये मसीह इस प्रकार से होना चाहिये, और यहां जीवन के लिए खिला, परंतु उनके रिवाजों ने उन्हें वचन की वास्तविक ज्योति से अलग कर दिया।

55 फरीसी, सदूकी, हिरोदियन, और जो हो सकते हैं, वे संसार में इतने गुथे हुए हैं, जैसे कि और युगों में कि वे वास्तविक उजियाला नहीं देख सके। इसने इनकी आंखों को अंधा कर दिया। वे मेरी चमक में चल रहे थे, "अगले दिन ये *यह* होगा और कल ये *यह* होगा। हम *इसके* सदस्य होंगे, और *उसके* होंगे। हम *इसके* सदस्य होंगे।" हम पाते हैं यह झूठी मिरिचिका है।

56 यीशु मसीह मनुष्य के ह्रदय के लिए, आज जैसा वास्तविक है जैसा वह कभी था उसकी सामर्थ और उसकी जीवित उपस्थिति ऐसे ही आज वास्तविक है, जैसे कभी हुआ करती थी। "और थोड़ी देर बाद संसार मुझे और नहीं देखेगा। कॉसमॉस, 'संसार की व्यवस्था,' और नहीं देखेगा। तो भी तुम मुझे देखोगे; क्योंकि मैं तुम्हारे संग होऊंगा, और तुम्हारे अंदर संसार के अंत तक। जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे, और इस से भी बड़े कार्य क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।"

57 आज महान प्रतिज्ञा है। संसार ऐसे ही अंधा है, जैसा वह हो सकता है, परंतु वहां एक है, "तुम मुझे देखोगे," यही जो हम लेने का यत्न कर रहे हैं। पूर्ण सुसमाचार का क्या अर्थ है, यीशु मसीह को उसकी पुनुरुत्थान की सामर्थ में प्रगट करना, और उसकी प्रतिज्ञाओं की परिपूर्णता; कि पवित्र आत्मा इन बातों को प्रगट करें और उन्हें ठीक करें, जिनकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, और वह इसे करेगा। जी हां, श्रीमान।

58 वह वचन के द्वारा पूरी रीती से प्रमाणित हो गया था, और कामों के द्वारा जो वह कर रहा था, परंतु उनमे से कोई भी इसका विश्वास नहीं करना चाहता था। सिद्ध किया कि उसकी ज्योति वचन है! वचन ने यह कहा है, "पवित्र शास्त्र में खोजो।"

59 परंतु उनके रीति रिवाज जिसमें वे जी रहे थे, दूसरे युग की चमक थी। उन्होंने कहा, "हम मूसा का विश्वास करते हैं; मूसा जिसका हम विश्वास करते हैं। हम नहीं जानते तू कहां से आया। कहां तूने शिक्षा प्राप्त की? तू क्या सिद्ध कर सकता है कि तू *यह* है?"

60 उसके कामो ने गवाही दी वह कौन था, यदि उन्होंने केवल बाईबल

पढ़ी होती। वे इसे पढ़ रहे थे, परंतु वे इसे देख ना सके। “मेरे कार्य मुझे प्रमाणित करते हैं।”

61 एक मनुष्य अपने प्रमाण पत्रों से जाना जाता है, परमेश्वर के वचन का विश्वास पत्र, यदि वह परमेश्वर के वचन के द्वारा भेजा गया है, और परमेश्वर के वचन के साथ। हर युग में वैसा ही! ये सदा रहा है।

62 हम कल की ज्योति में नहीं जी सकते। बीते कल की ज्योति इतिहास है। हम इसके विषय में कुछ नहीं जानते। आप बीते कल के सूर्य से आज गर्म नहीं हो सकते। आज कलिसियाओ के साथ यही मामला है। यही बात लोगों के साथ है, वे कल जो घटित हुआ उससे जीने का यत्न कर रहे हैं। आप चित्रकला की आग से गर्म नहीं हो सकते। निश्चय ही नहीं, इसमें कोई गर्मी नहीं है। कल के सूर्य में कोई गर्मी नहीं है।

63 सूर्य का उजियाला पृथ्वी पर भेजा गया, प्रकृति में कि बीज को पकाये कटाई की ओर बढ़ने के लिए। हर दिन एक नया सूर्य लाता है। आज जो सूर्य चमक रहा है, गेहूं को ऊपर ला रहा है, कनाडा में; यही सूर्य, तो, यदि ये... सूर्य और अधिक ना चमके, इस आने वाले जुलाई या अगस्त में, ये बीज को कभी नहीं पका सकता। इसे और तेज और सामर्थी होना है, हर दिन यह बढ़ता और पकता, यह बीज को ले आता है।

64 अब यदि बीज, स्वयं से, यदि ये पकना आरंभ हो जाये, बीज आता है, यदि यह बीज के साथ स्थिर रहे, तो यह केवल बीज बनाता। प्रतिदिन जो भूसी इसके चारों ओर, वो—वो कैल्शियम का भाग, और जो कुछ भी इसमें जाता है, दाने को बनाता है, जैसे जैसे सूर्य तेज होता जाता है।

65 परंतु उस अगस्त में चमकने वाले सूर्य को ले, और आज उसे गेहूं पर पडने दे, ये इसे मार देगा। निश्चय ही आप ये नहीं कर सकते। इसे अपनी ही ऋतु में आना है। इसी प्रकार परमेश्वर के गेहूं और दाने को समय में पकना है, ऋतु इसी में है। परंतु कैसे सूर्य सकेगा... भाई, गेहूं मर जायेगा, फल मर जायेगा, आज के सूर्य के द्वारा जो है, बल्कि जो आज चमक रहा है। ये आने वाली कटनी के लिए पक रहा है। बीज को ज्योति के साथ पकना है।

66 परंतु आज बात ये है, कलीसिया के दाने पकना नहीं चाहते थे। यह वैसे ही रहना चाहते हैं, जैसे पहले मूड़ी के समय के, फिनी, नोक्स, केलविन के समय में थे। वे ठीक थे, वे उस समय की ज्योति थे।

67 परंतु यह दूसरी घड़ी है। यह दूसरा दिन है। यह सुसमाचार उन्नत है; यह अपने पकने पर आ रहा है। इसलिए जो लूथर ने कहा, हम उसमें नहीं जी सकते, वेसली ने कहा, या उन बाकियों में से कोई। हम आज की भविष्यवाणी की गई ज्योति में रह रहे हैं। हम सातवी कलीसिया काल में है, ना कि तीसरी चौथी कलीसिया काल। बीज को इसे ग्रहण करना ही चाहिये, यदि नहीं करता, ये गिर जाता है, और इसके लिए इसका कोई अर्थ नहीं। बीज उजियाले के साथ साथ पकता है, यदि ये ज्योति के साथ–साथ आगे बढ़ता है।

68 इसलिए कलीसिया को हर युग में रोटी लानी चाहिये, जो यीशु ने आज्ञा दी कि, "मनुष्य हर वचन से जीयेगा, जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

69 रोटी जिसकी हमें आवश्यकता है बाइबल में है। यह परमेश्वर की योजना का पूर्ण प्रकाशन है। यह यीशु मसीह का पूरा प्रकाशन है। हम इसमें कुछ नहीं मिलाते, ना ही इसमें से कुछ निकालते हैं; जो कोई भी यह करता है, उसका नाम जीवन की पुस्तक में से निकाला जायेगा। हमें इसमें भी मतसार मिलाने की आवश्यकता नहीं है। ये ऐसे ही लिखी है, जैसा इसे होना चाहिये। हम इसमें कुछ नहीं मिलाते, इसमें से कुछ नहीं निकालते, जैसा यह है वैसा ही प्रचार करते हैं, और परमेश्वर है, वह इसे प्रगट करेगा। हर प्रतिज्ञा जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे वैसे ही प्रगट करेगा। हमें इसमें से कुछ भी नहीं निकालना है, या इसमें मिलाना है। इसे ऐसे ही रहने दो जिस प्रकार से यह है।

70 परंतु आज हम पाते हैं, परंतु आज आप देखिए हम लोगों को ऐसा पाते हैं, जैसे कुछ वे उस दिन में थे, पीछे की चमक में जीने की कोशिश कर रहे हैं। कलीसिया को ऐसे ही पकना चाहिये जैसे कि गेहूं पकता है कि, "मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहेगा, परंतु परमेश्वर के हर वचन से, जीवन की रोटी।" वचन का भाग ही नहीं; परमेश्वर का हर वचन, प्रत्येक युग! ठहरे मत रहिए और सारे समय बीन और आलू खाते न रहे। इसके साथ और बातें चलती है जैसे कि परमेश्वर के महाभोज में पूरा खाते हैं, जो उसके लोगों के सामने रखा है, पवित्र आत्मा की सामर्थ और इसका वो—वो आनंद, सामर्थ और आत्मा जो दिया गया है। "जो कार्य मैं करता हूं, तुम भी करोगे। क्योंकि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे।" वह प्रतिज्ञाये

जो यीशु ने कलीसिया से की है, और फिर भी आज हम लोगों को पाते हैं, बीते हुए युग में फिर वापस जाने का यत्न करते हैं।

71 लूथर का युग, यह महान युग था। उसने कैथोलिक कलीसिया की गलती देखी, भोज देखा। वो, वो युवा याजक, उसने देखा कि ये, ये गलत है, "ये यीशु मसीह की स्वाभाविक देह नहीं थी," यह रोटी का टुकड़ा था जिसे—जिसे उन्होंने आशीषित किया था। और उसने देखा कि, "दाखरस स्वाभाविक लहू नहीं था," परंतु इसने लहू का प्रतिनिधित्व किया। इसलिए उसने इन बातों का विरोध किया क्योंकि उस समय वह घड़ी थी। और कोई मतलब नहीं उनके कितने भी याजक थे, और उनके पास जो भी था, परमेश्वर मनुष्य को पकड़ा जो उजियाले को चमका सका। आमीन। उसने स्वीकार किया, "विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरना," और उसने लूथर के युग की ज्योति को चमकाया। और उसके पश्चात चलते हुए, उसने उसके समय को जीया।

72 वहां दूसरा समय आया कि कलीसिया को अपने पापों से अलग होना था, कि पवित्र हो। तब जॉन वैसली आता है, एक साधारण एंग्लिकन मनुष्य इंग्लैंड से वह एंग्लिकन कलीसिया का था, परंतु उसने सुसमाचार में ज्योति देखी, यह फिलेदिलफिया युग घड़ी आ रही थी। और जब उसने यह किया, उसने अनुग्रह का दूसरा कार्य प्रचार किया, यीशु मसीह के लहू के द्वारा पवित्रीकरण। वहां इस उजियाले में कुछ भी खड़ा नहीं रह सकता था। उसे लूथर के समान धर्मांध समझा गया था, परंतु उसने उन सब का प्रतिरोध किया था और ज्योति चमकाई, क्योंकि यह समय की ज्योति थी। परमेश्वर को जॉन वेसली व्यक्ति मिला, जो उजियाला कर सकता था।

उसने पाया... और लूथर ने भी, उसने उस युग के लिए ज्योति जलाई।

73 फिर पेंटीकोस्टल भाई आए। वे अपने युग में वापस आकर, दानों के लौटाये जाने के, दानों का वापस आना, जो अन्य भाषाओं में बोलना, चंगाई का दान, और कलीसिया में चीजे थी। अब उन्होंने ठीक वही किया, जो पवित्र वचन में कहा, वे करेंगे और जब उन्होंने किया, उन्होंने इसे प्रगट किया। ये बिल्कुल ठीक बात है।

74 परंतु क्या आपने यह अनुभव किया कि हम उससे आगे बढ़ गये हैं? हम दुल्हन के समय में है, चुनाव का समय, वह समय जो उन्होंने कहा (दुल्हन ने) कि हम होंगे। "सारी टिड्डीयों ने जो छोड़ा," योएल 2:28 ने

कहा, "सारी टिड्डीयों ने जो छोड़ा, वो—वो गाजाम ने उसे खा लिया; और गाजाम ने जो छोड़ दिया, अर्बे टिड्डी ने खा लिया।"

75 उनमें से प्रत्येक संगठन, यदि आपने बाइबल की सात मोहरे पढ़ी है, उनमें से प्रत्येक सुधारक आगे बढ़ा और वचन प्रचार किया, परंतु कुछ छोड़ गया। तब जब सुधारक चले गये तो उन्होंने क्या किया, और ज्योति धीमी होने लगी? बजाएं इसके की आगे कि ज्योति में चलते उन्होंने इस संगठित कर दिया। और जब उन्होंने इसे संगठित किया, "हम *इस* ज्योति का विश्वास करते हैं, *ये* ही ज्योति है! *यही* है।" उन्होंने क्या किया? वैसली आया और उनसे अलग चला गया।

76 वैसली ने क्या किया? उसके बाद उसे संगठित कर दिया, और उसका—उसका भाई, जॉन और—और चार्ल्स, और एसबरी साथ चला, और, वे उनके दिनों के बाद, उन्होंने संगठित कर दिया जो मेथोडिस्ट कलीसिया कहलाया। उन्होंने क्या किया? उन्होंने आगे की ज्योति को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, "*यह* ज्योति है। *यही* है।"

77 तब फिर पेंटिकोस्टल आ गये और उन्हें दिखाया कि परमेश्वर अब भी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नीचे भेजता है। वह अब भी चंगाई की सामर्थ नीचे लाता है, जिसका उन्होंने इंकार किया था, उन्होंने क्या किया? उनसे दूर चले गये, क्योंकि यह दूसरा उजियाला था?

78 अब ये क्या है? हमारे लगभग साठ वर्ष बीत गये, पेंटीकोस्टल संगठित हो गये, "हम *ये* है, हम *वह* हैं," और परमेश्वर इससे दूर चला गया; बाहर, और दुल्हन को लेकर आया, एक चुनी हुई, उस झुंड में से जो की वहां दूसरा कलीसिया काल कभी नहीं होगा। फिलेदिलफिया कलीसिया काल वैसली का था। और लौदकियायी कलीसिया का पेंटीकोस्टल संस्था का है, जो कि सीधा पशु की छाप में जाता है। यह बाईबल है, जैसा कि यह भाई कह रहा था कुछ क्षण पहले। यह सत्य है। ठीक है। वे सब संस्थाएं है, क्योंकि उन्होंने आगे के उजियाले में चलने से मना कर दिया। उन्होंने स्वयं को संस्थागत कर लिया, और कह रहे हैं, "हम इसका विश्वास करते हैं।" जब परमेश्वर कुछ करता है, इस पवित्र वचन से जाँचिये।

79 परंतु फरीसीयो ने कहा, "हमारे पास यह है।" सदूकीयों ने यह कहा, "ये हमारे पास है।" परंतु ये परमेश्वर के पास है। परमेश्वर ने चाबी घुमाई और ज्योति दर्शायी। ये वैसे ही अस्वीकार किया गया, जैसे सदा से किया

गया।

80 कैथोलिक कलीसिया ने लूथर को अस्वीकार किया। वैसली ने लूथर को अस्वीकार किया। और ऐसा ही पेंटीकोस्टल ने वैसली को अस्वीकार किया।

81 और पवित्र आत्मा ने आज पेंटीकोस्टल को अस्वीकार किया। आप वैसे ही औपचारिक और ठंडे जैसे बाकी वे सब। हर कोई यह देख सकता है। मैं आपसे प्रेम करता हूं। आप बाइबल के बहुत समीप है, मैं जानता हूं इसी कारण मैं आपके साथ हूं। परंतु, सुनिए, अपनी आंखें खोलें और दिन को देखें, जिसमें हम जी रहे हैं! यह समय है कि चाबी को फिर घुमाया जाये, और उजियाला आए कि एक पेड़ को ले आये। बाईबल ने कहा, मलाकी 4 में, "वह भेजेगा, और मूल विश्वास को फिर से वापस लौटायेगा जो लोगों के साथ था।" उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। उसने सदा यही किया है। उसने अपना वचन भेजा, और भविष्यवक्ता आये क्योंकि वचन भविष्यवक्ताओं के पास आता है, और उनके पास वचन था और उसे जीवित किया।

82 संस्थाओ और समय के तंत्र ने उन्हें अस्वीकार कर दिया, हर युग में, ऐसे ही वे ये आज करेंगे। परमेश्वर आज भी वैसे ही योग्य है कि अब एक मनुष्य को उठाये, जैसा वह तब था। उसने कभी भी संस्थाओं को नहीं उठाया। किसी भी इतिहासकार से पूछो, इतिहास में हो कर देखो; जब एक संस्था संगठित हुई, वह वही मर गई और फिर कभी नहीं उठी। परमेश्वर व्यक्तिगत से बात करता है। ठीक है।

83 परमेश्वर इसे अंतिम दिनों में फिर करने की प्रतिज्ञा की है, और वह ये करेगा जो प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की वह इसे करेगा कि उजियाला करें जो आज के प्रतिज्ञा के वचन को प्रमाणित कर सकता है। यीशु ने कहा, "जैसा ये लूत के—के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" आप दिखाइए, आप देखिए, वे क्या कर रहे हैं यहोवा को देखें उसने क्या किया है, हमारे पिता ने हर चीज स्थिति में रखी है।

84 वहां लूत नीचे सादोम में है, नीचे सादोम में सारे पापों के साथ, गुनगुना। वहां संदेशवाहक नीचे उसे भी प्रचार कर रहे हैं।

85 वहां अब्राहम का झुण्ड है, चुना हुआ, निकाला हुआ, वह जो प्रतिज्ञा के साथ है सच में पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा है। लूत भी पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा था, परंतु अब्राहम के समान नहीं, जो उसकी प्रतिक्षा कर रहा था।

क्या घटित हुआ? इसके पहले कि ये घटित होता परमेश्वर नीचे आया और शरीर में प्रकट हुआ, और घोषणा की, कि वह वचन था, क्योंकि, "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी अधिक तेज है, विचारो और ह्रदय को जांचने वाला।" यीशु ने कहा, "मनुष्य के पुत्र के आगमन पर फिर ऐसा ही होगा।" यह दिव्य प्रतिज्ञाये है, ये यीशु मसीह के होठों के द्वारा बोली गई है। पृथ्वी और आकाश दोनों असफल हो जायेंगे, परंतु वे असफल नहीं होंगे। परमेश्वर अब भी सक्षम है कि चट्टानों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करें। ओह, हां!

86 हम अपनी यात्रा में है, जैसे कुछ इस्राएल था। इस्राएल अपनी यात्रा में था, हर दिन उसे नया मन्ना पाना था, क्योंकि नया मन्ना गिरता था। हमें लूथर के उजियाले में नहीं रहना है, वैसली के—के उजियाले में, या पेंटीकोस्टल के उजियाले में रहना। हम दूसरे युग में है, नया मन्ना।

87 क्या घटित हुआ। यदि वे इस मन्ना को रखना चाहते हैं? यह खराब हो गया। यह उन्हें मार देगा। यही कारण है कि हमारे पास बहुत से आत्मिक मरे हुए हैं, कहलाने वाले मसीह है। वे दूसरे दिन के उजियाले में खा रहे हैं। वह मन्ना खा रहे है जो पहले ही दूषित है। जैसे कि भूसा गेहूं के ऊपर, यदि यह गेहूं में नहीं जाता है, यह गेहूं से हट जाता है। और जब उजियाला अस्वीकार किया गया, तब वहां कुछ नहीं केवल एक चीज करने को है, कि अंधकार में मुड़ जाये। रात्रि का कोई भी भाग उजियाले को देखने से मना करेगा, वापस अंधकार में जाता है। ऐसे ही सुसमाचार में होता है, हर युग में यह ऐसे ही सिद्ध हुआ है। हम उसी समय में जी रहे हैं।

88 बीते कल का मन्ना दूषित हो गया। मैं लोगों को कहते सुनता हूं, "चालीस वर्षो पहले, मैंने *ऐसा–ऐसा* किया।" यह ठीक बात है, परंतु आज के लिए क्या है? कलीसिया के ज्वलंत होने के विषय में क्या है? आप कल के विषय में बात करते हैं, परंतु आज की कलीसिया के विषय में क्या है? आज आप व्यक्तिगत के विषय में क्या है? क्योंकि, कल का आज नहीं चलेगा। कल यह ठीक था।

89 लूथर का संदेश उस घड़ी के लिए उजियाला था, जैसे जॉन का, परंतु वहां एक महान ज्योति उठी। ऐसे ही लूथर महान ज्योति था, और हमने एक समय उसमे आनन्द किया, परन्तु वहां दूसरी ज्योति आयी, जिसने उसे बंद कर दिया। इसे क्या करना था, उसके साथ मिल गई; और यह

सिद्ध रोटी में चला गया, परमेश्वर के सिद्ध मन्ना में बदल गया। परंतु उन्होंने क्या किया? वे संगठित हो गये। उसमें मनुष्य घुस गये। बजाये कि उसकी अगुवाई परमेश्वर करें, मनुष्य और उसका तंत्र उसमें आ गये, अंधा कर दिया।

90 ओह आज यह दुल्हन वृक्ष, यह छांट दिया गया था। कोई भी डाली जो फल नहीं लाती छाटी जाती है, यीशु ने ऐसा ही गया है, संत यूहन्ना 15 में। अब क्या हुआ, हम देखते हैं कि वे काटे गये और छांटे गये।

91 स्मरण रखे, वृक्ष का ह्रदय ठीक वृक्ष के बीच में होता है। फल हमेशा पकेगा, अंतिम स्थान जहां फल आएगा, वह इसकी चोटी पर होगा, क्योंकि यह ताजगी है, जो वृक्ष के जीवन के मध्य से आती है जो कि बीज में है।

92 यह दुल्हन वृक्ष है। यीशु दुल्हन था, वह वृक्ष था। वे इसे काट डालेंगे। वह जीवन का वृक्ष था, जो अदन वाटिका के मध्य में था। उन्होंने उसे काट दिया, और रोमी वृक्ष के साथ बांध दिया, कि उसका उपहास उड़ाये। उसने क्या किया? परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन जिला दिया, मृतकों में से। और आज वहां एक दुल्हन वृक्ष है; ये बहुत पहले वहां पेंटीकोस्ट के दिन पर आरंभ हुआ।

93 सुनिए, आज जो कलीसिया से संबंधित है, कलीसिया कभी भी निसिया रोम से आरंभ नहीं हुई। ये पेंटीकोस्ट पर येरुशलेम से आरंभ हुई, कलीसिया आरंभ हुई। तब उन्होंने क्या किया? संगठित होते गये; और परमेश्वर डालियों को काटता गया। तो फिर लूथरन संस्थागत हो गये, वैसली, डालियां काटी गई, पेंटीकोस्टल, डालियां काटी गई। जब तक की नहीं आया...

94 परंतु परमेश्वर दुल्हन वृक्ष को लेने जा रहा है! "वही जो गाजाम ने और टिड्डीयों ने खा लिया था, मैं वापस कर दूंगा," यहोवा यों कहता है। मलाकी 4 हमें बताता है, हम मूल विश्वास पर वापस आयेगे, जैसा यह पेंटिकोस्टल के दिन में था, "पूर्वजों का विश्वास।" हम विश्वास करते है कि ये आयेगा। मैं विश्वास करता हूं कि यहाँ अब इसका समय है। डालियां मुझ में और सूख गयी है, और वे वृक्ष से ले लिये जायेंगे, ताकि फल आ सके, स्वयं ठीक वृक्ष की चोटी पर। ओह, प्रभु!

95 ये सारी ज्योतियां ठीक है। आज कलीसिया ज्योति और जो इसने स्वीकार किया है। यह कटाई पूरी करने को। जैसा हम पाते हैं कि वृक्ष स्वयं,

या... गेहूं को उजियाले से पकना है, स्वयं को एक पती से बढ़ाते हुये, एक बीज तक और बीज से आगे। यह उजियाले से पकता है। दूसरे युगों का उजियाला केवल इस युग का अभिलेख रखता है। लूथर का उजियाला वैसली के उजियाले का—का अभिलेख रखता है। वैसली, पेंटीकोस्टल की ज्योति रखता है। केवल उजियाले से पकता है। यदि लोग इसे केवल देख सके!

96 कुछ समय, पहले मैं एक लेख पढ़ रहा था, जहां इंग्लैंड की रानी, (यह वाली नहीं) दूसरी रानी, वह एक कागज की फैक्ट्री देखने गयी जो बहुत ही अच्छा कागज बना रही थी। जब उसका साक्षात्कार जब कंपनी के अध्यक्ष से हुआ वह उसे सारी फैक्ट्री में से लेकर गया। वह देखना चाहती थी कि अच्छा कागज कैसे बनता है। वह रानी को ले गया और उसे बड़ी प्रेस और चीजें दिखाई। और उन दिनों में, वे चिथड़ो से कागज बनाते थे। हमें भली प्रकार स्मरण है। इसलिये वह एक कमरे में गया और दरवाजा खोला, और वहां कपड़ो के चिथड़ो को छोड़ और कुछ नही था। रानी ने आश्चर्यचकित हो कर कहा, "ये गंदी चीजें का क्या है? "

97 उस व्यक्ति... कंपनी के अध्यक्ष ने कहा, "कल यह पहनने वाले कपड़े थे। देखिये, ये गंदे हो गये। हम इन्हें फैक नहीं देते, परंतु यह आने वाले कल का कागज है।"

वह बोली, "मैं यह नहीं समझी।"

उसने कहा, "आप इसे कल समझ जायेगी।"

98 जब वे इन चिथड़ो को प्रेसो में से हो कर निकालते हैं, किसी निश्चित साफ करने की विधी में से होकर, और—और निश्चित विधि में से हो कर निकलना होता है; जब ये बाहर आता है, तो यह कागज का एक सुंदर बड़ा पन्ना होता है। अध्यक्ष ने सोचा कि वह रानी को कुछ ऐसा दिखाएगा जो उसने कभी नहीं जाना। उसने उसकी रूप–रेखा देखकर, उस पर बनाया, और इसे सुंदर कागज में दबाया। जब रानी ने उसे लिया, उसने अपना रूप देखा, उसमें जो कल के गंदे चिथड़े थे, क्योंकि यह निश्चित विधि से हो कर निकले थे।

99 ओह, यदि लूथर, वैसली, और सब इसे देख सकें, कि कल का सामान केवल प्रयोग हो सकता है, जैसे कि यह एक निश्चित विधि से हो कर निकलता है! जब पवित्र आत्मा ज्योति प्रगट करता है, न्यायोचित से,

पवित्रीकरण, से पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, और अब मसीह के आने की अंतिम घड़ी; यह रेखा चित्र में आ गया, रानी का नहीं, परंतु स्वर्गीय राजा का, जिसने स्वयं प्रतिनिधित्व किया, जैसे कि कलीसिया अल्पसंख्यक में बदल रही है, उसकी सेवकाई के समान वैसी सेवकाई जो उसकी थी।

100 वे जो लूथर के युग में मर गये, जैसे वहां पिरामिड के नीचे के भाग में; पिरामिड की शिक्षा नहीं, परंतु उदाहरण के लिए।

101 वह पिरामिड इतना सिद्ध है, यदि आप में से कोई वहां था। आप ब्लेड भी नहीं घुसा सकते। वहां—उसके मसाला नहीं था, जहां तक कि हम जानते हैं, इसकी वास्तु कला इतनी महान थी! अब उन्होंने चोटी का पत्थर खो दिया। वे नहीं जानते कि थे कहां है। अब जब चोटी पत्थर वापस आता है, यह बाकी के समान होगा, यह उस पत्थर के जो खुला है, सही बैठेगा। यदि आपको उस पर चोटी का पत्थर बैठाना चाहिये, इसे उसी प्रकार होना चाहिये।

102 और जब यीशु वापस आता है वह कलीसिया पायेगा, जो धुली हुयी बिना झुर्री के, और ये वैसी ही सेवकाई, जो उसकी थी। यह चोटी के पत्थर को वापस लायेगा।

103 जैसे कि मेरा हाथ यहां है, एक छाया में। यह एक छाया है, यह केवल गहरा होता जाता है जैसा कि मेरा हाथ अधिक आगे आता जाता है... यह *यहां* नेगेटिव है, और *यहां* एक वास्तविक। एक नेगेटिव और वास्तविक की तरह, यह गहरा; घना काला और काला, काला होता जाता है, और अंत में एक साथ जुड़ जाते हैं, और नेगेटिव और वास्तविक एक हो जाते है।

104 कलीसियायी युग के साथ यही मामला है, जिसमे हम आज रह रहे है, जैसे कि एक दुल्हन, उसी आत्मा के साथ, जो उसमें थी उसके ऊपर होगी; जब वह कलीसिया न्यायोचित से, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, अंतिम दिनों में, और अब प्रभु के आगमन के लिए उसे कांटा–छांटा जा रहा हैं।

105 ओह, पेंटीकोस्टल भाई, इस पर कठोर ना हो। वचन के साथ चमके और इसके हर बिंदु पर विश्वास करें। इन विवादों और चीजों में ना पड़े, जैसा कि हम देखते हैं, आज कल चल रहा है। इस पर आश्चर्य ना करें, क्योंकि चोटी का पत्थर चिल्लाते हुए, "अब्बा, हे पिता," आ रहा है, बहुत

जल्द, "मेरे परमेश्वर! मेरे परमेश्वर!" हाँ, मैं इसका पुरे हृदय से विश्वास करता हूं।

106 क्या आप ये देखते हैं? आप ने जाना मेरा क्या अर्थ है? अब यह मसीह है, जो कल के चिथड़ो को ले रहा है, लूथरन, मेथोडिस्ट, प्रेसबीटेरियन और आदि–आदि, और वह इसे विधी के जरिये से लेकर जाता है। किस प्रकार की विधी? पवित्र आत्मा की विधि; उनके पास क्या अच्छा था; इसे बना रहा है, जब तक कि वह अपनी छबी इसमें ना उभार दे, जब कलीसिया और मसीह मिलन में एक हो जाते है। परमेश्वर, इसे प्रधान करें! मुझे विश्वास है, आप इसे देखते है। यदि आप इसे देखते है...

107 यह मुझे एक कहानी याद दिलाता है, कि जब वह—वह महान वेल्श बेदारी चल रहा थी, कोई महान पुरुष यहां राष्ट्र में उन्होंने सोचा ये चले जाएंगे और वेल्श की बेदारी को देखेगे, क्या हो रहा होगा। और जैसे ही वे वहां गये कि देखे, देखे कि कौन सी इमारत में यह हो रहा है। जब वे वेल्श पहुंचे, वे वहां आस पास पूछने लगे, कि वह भवन कहां था, उन्होंने देखा छोटा पूलिस ऑफिसर वहां कोने में खड़ा है अपनी छोटी टोपी लगाए अपनी छड़ी इधर–उधर घुमा रहा था इस प्रकार से। और इसलिए ये लोग उसके पास पहुंचे और बोले, "श्रीमान, कौन से भवन में वेल्श बेदारी चल रही है? "

108 उसने कहा, "जी हां, श्रीमान मैं ही हूं! मैं ही हूं!" क्यों? वह वेल्श—वेल्श की बेदारी का आनंद और उजियाला को बिखेर रहा था, जो उसमें थी।

109 इसी प्रकार से आज पेंटीकोस्टल कलीसिया को होना चाहिये, पूछ रहे हैं, "यीशु मसीह कौन है? कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" उसका उजियाला उसके सुसमाचार का उसके इस युग के वचन से चमकना चाहिये, राष्ट्र पर यीशु मसीह को प्रकट करें, जैसा कि वह तब था।

110 वह वेल्श की बेदारी से इतना भर गया था, यहां तक कि वह वेल्श बेदारी हो गया।

111 हमें मसीह से भर जाना चाहिये, यहां तक कि हम—हम उसे सामर्थ और उसके वचन में प्रतिबिंब करें, जो हमारे लिए ठहराया गया है, इस दिन के लिए। भाईयों संसार की चीजों में ना जाये, नहीं, ये चिंताये आपको दूर ले जाती है। सुसमाचार के साथ बने रहे। हर वचन पर ध्यान दें! किस फादर

ने क्या कहा, उस पर मत लौटीये। हम जो यीशु ने कहा सीधे उसी पर जाएं जो इस दिन में होना था, जी हां श्रीमान। हमें इस युग का उजियाला होना चाहिये, सुसमाचार को प्रकट कर रहे है। लूथर अपना उजियाला था। वैसली अपनी ज्योति के साथ, पेंटीकोस्टल अपने उजियाले के साथ था। परंतु, हम अब मार्ग पर और आगे है, हम दुल्हन में आ रहे हैं, बुलाये, और चुने हुए। स्मरण रखें, यदि आप उस अफसर के समान है, ये उसके अन्दर था।

112 स्मरण रखें, ये सातवा कलीसीयायी काल, लौदिकिया कलीसिया काल है। प्रकाशितवाक्य 3 के अनुसार, उन्होंने मसीहा को अस्वीकार कर दिया। हर कलीसियायी काल के जिसका उल्लेख बाईबल में है, लौदिकिया काल इन सब से खराब था। इसने उसको छोड़ दिया, उसे अस्वीकार कर दिया, इसे बाहर निकाल दिया।

113 क्या आपने देखा चाँद काला हो गया, उस रात्रि इसके पहले कि पोप रोम को जाये, रोम से येरुशलेम को? येरुशलेम प्राचीनतम कलीसिया; चांद कलीसिया का प्रतिरूप, सदा सूर्य का उजियाला प्रतिबिंब करता है, सूर्य की अनुपस्थिति में, और ये काला हो गया। मैंने ये यहाँ ब्लैकबोर्ड पर इसका चित्र खींचा है, तीन या चार वर्ष पहले, और कलीसियाओं को दर्शाया, सैकड़ों, हजारों घरों में समस्त राष्ट्र के। ये क्या था? एक छाया। पहली बार पोप ने जब कभी छोड़ा, कि यहां वापस आये, पौलुस के नाम में—में आया, और आदि–आदि उन स्थानों में गया, नदी को आशीषित करना था, कि उसे पार करें, और आदि–आदि। उस—उस नदी को किस आशीष की आवश्यकता है?

114 कलीसिया युग के साथ क्या मामला है, जिसमें हम आज रह रहे हैं? क्या आप इसे नहीं देख सकते? परमेश्वर इसकी घोषणा आकाश में कर रहा है अपने वचन में घोषणा कर रहा है, अखबार में घोषणा कर रहा है लोगों के मध्य में घोषणा कर रहा है? क्या आप अपनी आंखें खोल कर इस घड़ी को नहीं देख सकते? ये वह है जो सत्य की गवाही देते हैं। ये इस घड़ी का उजियाला है।

115 उस बड़े एकतावर्धक अभियान पर ध्यान दें, अब ये इस महासभा के अंदर होने जा रही है, बस पशु की छाप को बना रहा है, प्रकाशितवाक्य 17, ठीक जो कहा गया है ये वह करेगा। आप पेंटीकोस्टल लोगो आप

इसके लिए शांत बैठने जा रहे है और इसके अंदर जायेंगे? दबाव का समय आ गया है।

116 अब यह जागने का समय है, और अपने चिराग दानों को छाट लो, और यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ चमको और उसकी सामर्थ के साथ।

117 मैं जानता हूं यह लोक प्रिय नहीं है, जब मेरे बहुत से पेंटीकोस्टल मित्र पोप के साथ बैठे और आदि–आदि, और कहते है, "एक बहुत ही आत्मिक अनुभव।" मेरे लिए, यह—यह गलत है, यह बाईबल के विरोध में है। परमेश्वर का वचन सच्चा ठहरे। जी हाँ, श्रीमान। अब यह समय है। हम ये अभियान बढ़ते हुये देखते है... ओह, यह स्वाभाविक दृष्टि में अच्छा दिखता है, निश्चय ही।

118 कैफा को अच्छा दिखाई दिया, जो वह याजको पर प्रकट कर रहा था उस दिन, उस सारे दिन। परंतु यीशु वह ज्योति था, जो वचन को जीवित कर रहा था, परंतु उनकी समाये और आदि–आदि ने उनकी आंखों को इसके लिए अंधा कर दिया था। उसने कहा, "उन्हें छोड़ दो; अंधा, अंधे को मार्ग दिखा रहा है, वे सब गड्ढे में गिरेंगे।"

119 भाईयो, बहनों, हम समय में फिर वापस आ गये है। हम उस घड़ी में फिर वापस आ गये है। ध्यान दें। क्यों? वही कारण।

120 हम पाते हैं कि ये महान उजियाले जिनमें हम जीये, उन बीते दिनों में, वे ठीक थे, हम उनके विरोध में नहीं। परंतु ये लौदकिया काल, खबरदार रहे, स्मरण रखें, ये एक मसीह तिरस्कृत है। और ये बिल्कुल ठीक जो अब है।

121 यह बड़ा सभा परिषद् आगे बढ़ चूका है कि सारे प्रोटेस्टेंट को एकत्र करें, यह एकता वर्धक अभियान। और ये क्या कर रहा है? और ये स्वयं में, उसी वचन को अंधकारमय बना रहा है, और वचन मसीह है। वे यह कैसे कर सकते है? जब क्रिश्चियन सायंस और यूनाइटेड ब्रदरइन, और उन में से बहुत सी महान संस्थाये कुछ कुंवारी जन्म में विश्वास करते है, कुछ नहीं करते कुछ *ये* और *वह* आदि–आदि विश्वास करते हैं। आप स्वयं को अविश्वास के साथ कैसे जोड़ सकते है? "यदि दो एक मत ना हो तो वे एक साथ कैसे चल सकते हैं?" उनके मध्य में से निकल आओ और अलग हो जाओ, और परमेश्वर के पवित्र वचन को ले लो और इसके साथ–साथ बने रहे।

122 यीशु मसीह बाध्य है कि अपने वचन को प्रकट करें। आज की आवश्यकता यह है कि मलाकी 4 उठ रहा है। एक और भविष्यवक्ता प्रभु यीशु मसीहा के नाम से उठेगा, और ठीक वही करेगा, जो करने की प्रतिज्ञा दी गयी है। तब, मनुष्य अंधपने में, इसे छोड़ देंगे और सीधे अंधकार में चलते हैं, जैसा उन्होंने सदा किया है।

123 अब ध्यान दें, हम वही कारण पाते हैं कि आज उन्होंने अस्वीकार कर दिया, कलीसियाओं ने संदेश को अस्वीकार कर दिया, वचन को क्रूस पर चढ़ा दिया, वचन को बाहर निकाल दिया। अब यदि आप इससे संबंधित नहीं है, आप—आप अपनी कलीसिया चला ही नहीं सकते। वे इसे बंद कर देंगे। आपको इसमें आना ही है। यदि आप ये नहीं करते तो आप बंद कर दिये जाने वाले है। तो फिर इसके विषय में क्या है? ओह, उसके लिए खड़े हो जो सही है! स्मरण रखें, यह फिर से क्रूस का समय है, लगभग।

124 झूठा उजियाला सबसे बड़ा कारण हुआ, वो—वो सबसे बड़ी लूट जो संसार में कभी हुयी, अधिक समय नहीं हुआ, इंग्लैंड में। एक महानतम लूट जो कभी की गयी, झूठे उयिजाले के द्वारा की गयी थी। सत्तर लाख डॉलर की लूट झूठी ज्योति से की गयी जिसने रेल गाड़ी को धीमा कर दिया, और स्कोटलैंड यार्ड को कोई मनुष्य नहीं मिला। उन्होंने इससे लिया, बहुत चतुर। बहुत ही महानतम लूट जानी जाती है, जो कभी लुटेरों के द्वारा के द्वारा की गई, संसार में। इसने संसार को लूट लिया, अपनी महानतम लूट में।

125 महानतम लूट जो कभी यीशु मसीह की कलीसिया में कभी की गयी, वह झूठी ज्योति के द्वारा हुई, किसी दूसरे युग की चमक और उस उजियाले को अस्वीकार करना जिसकी उस युग में भविष्यवाणी है। आमीन। झूठी ज्योति, कल की चमक! कल की चमक में ना चले। आज के पुत्र की गर्मी में चले। स्वयं को नामधारी की छाया में ना ले जाये। "आश्चर्य कर्मों के दिन बीत गये।"

126 यीशु ने कहा, "वे जो विश्वास करेंगे उनके ये चिन्ह होंगे: मेरे नाम से वे प्रेतों को निकाल देंगे, वे नई–नई भाषाये बोलेंगे। उनके ये चिन्ह होगे।"

127 वे कहते है, "ये प्रेरितों के लिए ठीक है; हमारे लिए नहीं।" यह एक चमक है।

128 यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे, समस्त संसार में।" जी हां, श्रीमान।

129 अब क्या मामला है? चमक में चल रहे हैं, यही बड़ी लूट का कारण बना, इतने मसीह को कलीसिया से निकाल दिया। देखिए, कैसे मसीह स्वयं को आज की प्रतिज्ञा के वचन में प्रगट करता है, कल के किसी ठंडे मतसार के द्वारा? ये बीज को गर्म नहीं करता। नहीं, श्रीमान। कलीसिया की सबसे बड़ी लूट!

130 गर्म? अब ध्यान रखें, वह ठंडे मतसार का उजियाला आज के बीज को नहीं पकायेगा। ये बीज को सुखाता है। पृथ्वी पर ये कोहरा है, घनापन। यह परमेश्वर का समय है कि उठे और फिर से ज्योति जलाये, अपने वचन को जीवित करें। निश्चित ही, ज्योति! वह ठंडा मतसार बीज को नहीं पकायेगा। निश्चय ही, ये नहीं करेगा।

और, स्मरण रखें, सभ्यता ने सूर्य के संग यात्रा की है।

131 मैंने आपको आरंभ में बताया, मुझे दृष्टांतों पर ध्यान देना है, किस प्रकार प्रकृति चलती है। ये करने के लिये मेरे पास शिक्षा नहीं है; मैं यह नहीं चाहता। बल्कि वह जो मेरे पास है बजाये कि संसार की सारी शिक्षा। मेरे पास यीशु मसीह है। मैं उस के वचन को जीवित देखता हूं, पूरी तरह से, और यही मुझे जानने की आवश्यकता है।

132 और यदि मनुष्य परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, वह देखने के लिए पवित्र वचन को खोजेगा, क्या ये आज के लिए उत्तर है। आज के दिन का उत्तर मसीह है। मसीह वचन है। जब वचन जीवन में आता है, तो उजियाला दिखाता है जिसकी प्रतिज्ञा आज के लिए है। यह अंधेरा लौदिकियायी काल, थोड़े ही, "जितनो को मैं स्वीकार करता हूं, मैं ताड़ना, डांट लगाता हूं। प्रायश्चित करो," यीशु ने कहा, "और वापस आ जाओ।" वचन की ओर फिरो। वह वचन है। उसके पास आ जाओ। जी हां, श्रीमान।

133 उजियाले पर ध्यान दे। ये पूर्व से आकर, और पश्चिम को जा रहा है। हम पश्चिमी किनारे पर है। इसके तीन चरण थे, क्या नहीं थे? इसके तीन चरण। यह जल को तीन बार पार करता है। पौलुस से, मेडिटेरियन के पार, जर्मनी में आता है, जर्मनी लूथर से प्रज्वलित होता है; इंग्लिश चैनल को पार करता है, संयुक्त राज्य में, और अब... वहां इंग्लैंड में—में; फिर, इंग्लैंड, यह प्रशांत के पार, संयुक्त राज्य में आता है। और इसने अपना

काम लूथर के संदेश के द्वारा चलाया, और आगे, जब तक इसका अंतिम भाग यहां पश्चिमी किनारे पर फिर से नहीं होता है।

134 और दाने को पकने से लेकर, और बहुत पीछे लूथर से होते हुए, और आगे के युग से होते हुए, यह तो अब सुसमाचार की परिपूर्णता होनी चाहिये, परमेश्वर की सामर्थ कि इसे पकाये। उजियाला जो धर्मिकरण, पवित्रीकरण, पेंटीकोस्टल युग में से होकर दर्शाया गया, इसे दुल्हन के वृक्ष को प्रभु यीशु मसीह के आगमन के लिए पका देना चाहिये; ताकि मसीह अपनी कलीसिया में प्रगट हो, एक व्यक्ति के समान, वह और उसकी पत्नी वह और उसकी दुल्हन। आमीन। यह घड़ी है. जिसमें हम जी रहे हैं। यह आज का उजियाला है। इसमें चलीये! "बचाए जाये, सारे जगत के अंत तक।"

135 आज के दिन में कलीसिया की चमक बहुत ही धोखा देने वाली है यीशु ने मत्ती 24 में कहा। उसने कहा, "यह चुने हुए को धोखा दे देगा, यदि संभव हुआ।" देखिये, लूथर स्वीकार नहीं करेगा... लूथर, मैथोडिस्ट को धोखा नहीं दे सका। एक मैथोडिस्ट, पेंटीकोस्टल को धोखा नहीं दे सका। यह ठीक बात है, परंतु देखिए, दुल्हन के विषय में क्या है? यही है जिसने पेंटीकोस्टल की आंखें बाहर कर दी। जी हां। देखिए, आप अपने मतसार पर वापस हो गये, अपने रूप पर, संगठित, और लोगों का एक झुंड मिला जो आपको बताये कि आपको क्या करना है।

136 बाइबल ने इन बातो की प्रतिज्ञा की है। हमें पुरुषों और स्त्रियों की आवश्यकता है, जो परमेश्वर के पवित्र आत्मा से भरे हुए हैं।

137 यदि आप कहते हैं कि आप में परमेश्वर का पवित्र आत्मा है, और परमेश्वर ने यहां निश्चित प्रतिज्ञा दी है, तो कैसे पवित्र आत्मा विराम लगा सकता है, कहे कि, "यह ठीक हो सकता है, दूसरे युग के लिए। हम इस प्रकार विश्वास नहीं करते"? यह तो पवित्र आत्मा नहीं है।

138 वह पुरुष जो परमेश्वर से भरा है, वह और वचन एक है। निश्चय ही, यह है। यह तो मिलने का उत्पादन है, एक मिलन परमेश्वर और मनुष्य का।

139 एक स्त्री कैसे हो सकती है, जो कि पुरुष की पत्नी होने जा रही हो, विरोध, वह चीजें कर रही है, जो उसका पति नहीं चाहता कि वह करें? हम कैसे संसार के संग प्रेम खिलवाड़ कर सकते हैं, और नामधारीयो और संगठनों के संग, और समय की ज्योति का इंकार करें? यह कैसे किया जा

सकता है, भाईयों और बहनों? भक्ति प्रेम और आप प्रत्येक के सम्मान के साथ, हम इन बातों को कैसे स्वीकार कर सकते हैं? हम इसे कैसे सुन सकते हैं? यह तो वापस हमारे ही पाले में वापस आता है।

140 लूथरो को दोषी न ठहराये; क्योंकि वे कैथलिक को दोषी ठहराते हैं, वैसली को दोषी ना ठहराये, क्योंकि उसने लूथर को दोषी ठहराया। देखिए, इसी प्रकार से, जब आप चीजों को दोषी ठहराते हैं, जो आज घटित हो रही है और इसकी ओर से फिर जाते हैं; जब आप अपनी कलीसिया को महा एकता में अभियान में देखते हैं, और आदि–आदि इस प्रकार से, आपकी अगुवाई, हर कोई पशु की छाप में, और ये आपके पास है। बहुत से निष्ठावान ह्रदय के लोग सीधे इसमें चले जाते हैं।

आप कहते हैं, "वे अच्छे लोग हैं, पवित्र लोग।"

141 ऐसे ही वे याजक थे। यदि मुझे यीशु मसीह की पवित्रताई लेनी पडे, या आत्मा के फल, आप में से बहुत से इस पर चले गये... अब, इसकी उपेक्षा नहीं। मैं इसके हर वचन का विश्वास करता हूं।

142 बहुत से कहते हैं, "ओह, मैंने अन्य भाषायें बोली। यह मेरे पास है।" यह वह नहीं है। नहीं, श्रीमान।

उनमें से बहुत से कहते हैं, "आत्मा का फल, यह है।" क्या यही है?

143 आईये यीशु को परखे (परमेश्वर, मुझे क्षमा करें) एक क्षण के लिए। आपको ऊपर लाते हैं, और मैं याजक होऊंगा। मैं आपसे कहूंगा, "यह युवा व्यक्ति नगर में आता है, नासरत का यीशु कहलाता है। आप उसकी ना सुने। हम आत्मा के फल का विश्वास करते हैं। अब इधर देखिए, आपका एक दयालु पुराना याजक है। वह उसके दादा, परदादा, सारे याजक थे। उसने अपनी सारी युवावस्था को बलिदान कर दिया। वह धर्म विद्यालय में रहा। उसने ध्यान दिया, उसने विश्वास किया, उसने—उसने हर चीज को जो उन्होंने कभी सिखाई, वह पवित्र शास्त्र को आरंभ से अंत तक जानता है। वह यहां तक की इसे स्वयं लिखता है। स्वयं, पवित्र वचन को लिखता है लिखाई करता है। और वह यहां है, एक शानदार मनुष्य! आप जानते हैं वह है।"

144 क्या हुआ जब आपकी माता आपको जन्म दे रही थी? कौन आपके पलंग के पास खड़ा हुआ? वह दयालु बूढ़ा याजक। जब मां और पिता

अलग–अलग होने वाले थे, कितने उन दोनों के गलो में हाथ डाले और वापस परमेश्वर की ओर लाया? वह दयालु, बूढ़ा याजक। जी हां।

145 "यहां यहोवा की मांग बलिदानों के लिए मेमना है, पापों के लिए। व्यापारी वे नगर में रहते हैं, और वे—वे अपना सामाने बेचते हैं, और—और आदि–आदि, उनका उत्पादन और उत्पन्न करना, और जो भी वे बेचने जा रहे हैं। वे मेमने नहीं पालते। और याजक क्या करता है? वहां थोड़ी देर खड़े होकर उनके लिए मेमने बेचता है, ताकि यह पुरुष भीतर जा सके, और यहोवा के संग अपने प्राण को साफ रखें।

146 "यह व्यक्ति नासरत के यीशु ने क्या किया? वह कौन सी कलीसिया से आया है? कौन सी नामधारी से वह है? संगति का कौन सा पत्र? हम उसे बाहर निकाल देंगे। हमारा उससे कोई मतलब नहीं, क्योंकि वह हम सब को दोषी ठहराता है। उसने क्या किया है? वह वहां जाता है, और इसे लेता है, जहां लोग अपने प्राण बचाने का यत्न करते हैं, वह कलीसिया," जैसा कि आज हम इसे कहेंगे आप आत्मिक समझ के लोग, "उसने मेज में लात मारी, सिक्के बिखेर दिए; रस्सी लेकर उसे समेटा, और उन्हें बाहर कर दिया; और आपके भक्त याजक को 'शैतान का पुत्र,' कहा, वह दयालु, बुढा मनुष्य, जब आप संकट में थे, उसने उधार पैसे दिए थे।

147 "कौन आपके बराबर में खड़ा और आपको गाडने जा रहा है, जब आप मर जाते हैं? वह दयालु याजक। उसके पास आत्मा का फल है। परंतु क्या इस यीशु नासरी के पास आत्मा का फल है?"

148 आप अन्य भाषाएं बोलने से नहीं परख सकते, ना हीं आप आत्मा के फल से परख सकते है। परंतु यह परमेश्वर के वचन का प्रगटीकरण ज्योति में लाया। यह ज्योति है जो यह करती है।

वह मनुष्य जो उस ज्योति में चलता है! यीशु मसीह अन्य भाषा बोलने को नहीं खोज रहा था, यद्यपि उसने यह किया। वह आत्मा का फल नहीं था, यदपि उसने किया। आप इसे नहीं परख सकते। परंतु उसने विश्वास किया और इस पर विराम लगाया, और परमेश्वर प्रतिज्ञा के दिन के हर वचन को जीया उसके द्वारा। यह उस घड़ी का उजियाला है। यह प्रमाण है।

149 जब एक व्यक्ति मुझे बताता है कि पवित्र आत्मा उन पर आ रहा है ऐसा होते हुए, वे परमेश्वर के वचन का इंकार करेंगे, तो फिर उसके साथ कुछ गड़बड़ है। हमारे धर्म विद्यालयों में कुछ गड़बड़ है, और आदि–आदि, जब

वे मनुष्य को मत अरोपण धर्म विज्ञान सिखाते हैं और आज का मसाला। वे मनुष्य वही परमेश्वर के वचन के विरोध में करेंगे, और उनकी अगुवाई सीधे वहां एकतावाद के वहां बूचड़खाने में करेंगे, क्यों, निश्चय ही, यह गलत है।

150 मैं यह प्रभु के नाम में बोलता हूं! आप ध्यान दें, और देखें, यदि यह सत्य नहीं है, ज्योति, समय का उजियाला!

151 वे ठंडे मतसार कभी भी कटाई नहीं ला सकते। हमारे पास एक कलीसिया होनी ही चाहिये, जो मेमने के लहू से धुली हुई हो, और वचन के संग एक हो जाये, कलीसिया बने।

152 इस दिन में कलीसिया की चमक यीशु ने कहा, बहुत ही धोखे से भरा है, "लगभग चुने हुओं को यदि संभव हो।" बस चुने हुओं को! "परंतु जैसा नूह के दिनों में था, जब आठ प्राण बच गये थे, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आगमन में भी होगा।" उस समय पर बहुत, बहुत थोड़े बचाये जायेंगे।

153 यह क्या करता है? यह बूचड़खाने में सीधा अगुवाई करता है। हम पाते हैं कि इस वर्तमान अंधकार में जिसमें हम जी रहे हैं। यह कहते हुए मैं बंद कर रहा हूं। इस वर्तमान अंधकार में, जिसमें हम रह रहे हैं, ये दिन जिनमें हम रह रहे हैं, जब उजियाला आकाश में हो रहा है यह यहां मध्य में हो रहा है, इसके पहले, हम दर्शाये; बाईबल के द्वारा दिखाया, सात मोहरों पर, क्या घटित हो रहा है। और यहां परमेश्वर आकाश में घोषित कर रहा है, नीचे आया और पृथ्वी पर घोषित किया। और कलीसियाये सीधी इसमें जा रही है।

154 उस छोटी वचन को मानने वाली दुल्हन को फिर कौन बचाएगा? उसे क्या होने जा रहा है, जब वही स्वयं ठंडी होने जा रही है? वह ठंडी नहीं होगी, आज के दिन प्रतिज्ञा का प्रमाणित किया हुआ वचन। ओह, हां। ये ऐसे हैं...

155 यह पेचीदा है, मैं जानता हूं यह है, लोगों के लिए कलीसिया को देख कर बस कहते हैं, "अच्छा, यह तो लगभग वही चीज है।" यीशु ने कहा, यह इसी प्रकार से है। यह होगा, इतना तक, "ये चुने हुए को भी भरमा देगा, यदि यह संभव होता था।" ओह, हां। हां, श्रीमान।

156 मुझे फ्लोरिडा के एक पुरुष को स्मरण दिलाता है, अधिक समय नहीं हुआ, वह बात कर रहा था बोला उसके पास शेवरलेट कार जो कि फ्लोरिडा में खराब हो गई कहा, कि उसे मिस्त्री के यहां ले गया। और यह मिस्त्री वहां

कार्य करता था, और उसने हर चीज को व्यवस्थित कर दिया, और वह इसको चालू नहीं कर सका। इसमें उसने सब कुछ डाल दिया, ताकि वह कर सके। उसने सारी विभिन्न चीजों को फिर ठीक किया, परंतु, कुछ और बात थी, ये बस काम नहीं करेगा। और वह इसे चालू नहीं कर सका। वह बस यत्न करता रहा और यत्न करता रहा। बेचारे मिस्त्री परेशान हो गया, चारों ओर इमारत में घुमा फिरा, यह उठाया।

157 और व्यक्ति खड़ा हुआ कहता है, "श्रीमान मैं अपनी कार के लिये प्रतीक्षा कर रहा हूं। मुझे देर हो रही है। आप इसे ठीक नहीं कर सकते? "

158 उसने कहा, "मैं वह सब कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं, " वास्तव में परेशान होकर और कर रहा था। और वह साथ–साथ चला।

159 अच्छे कपड़े पहने सज्जन पुरुष आया और उसकी ओर एक क्षण देखा, और इसने इस मिस्त्री से कहा, उसने उसके माथा पच्ची कर लेने के बाद, उससे कहा, "क्यों नहीं आप इसे छुते हैं? आप को बिजली का करंट नहीं मिल रहा है।"

160 इसलिए उसने कहा, "इसके लिए मैंने कभी नहीं सोचा।" इसलिए उसने उस छोटी चीज को घुमाया, ये जो कुछ वहां था, उस—उसमें करंट आ गया, कार चालू हो गई।

161 वह घुमा और बोला, "वह कौन था? " आप जानते है, वह कौन था? जनरल मोटर का—का सबसे उच्च इंजीनियर। उसने चीजें बनाई। उसने इसका डिजाइन किया है।

162 भाई इस घड़ी में, जब हमें आश्चर्य है कि हमारी बेदारी में, क्या बात है? हमारे पास सामान और हर चीज है, हमारे पास यांत्रिकी है, परंतु गतिकी कहाँ है? हमें इसी की आवश्यकता है कि यीशु मसीह को दृश्य पर लाये। क्या मामला है? मैं आपको बताता हूं, आज यहां पर एक है, हाल्लेलुय्या, पवित्र आत्मा कहलाता है, वह गतिकी को छू सकता है। वह यांत्रिक का गतिक है।

163 आज हम पेंटीकोस्टल खड़े हैं, राष्ट्र की एक सबसे महान कलीसिया, हजारों हजार हर वर्ष मिल रहे हैं, परंतु वह पवित्र आत्मा कहां है? हमने इसे स्वीकार किया, अन्य भाषा में बोलने के द्वारा, और हमने देखा कि इसने कैसे कार्य किया। मैथोडिस्ट ने इसे स्वीकार किया, चिल्लाने के द्वारा। लूथर

ने इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार किया और आदि–आदि इस प्रकार से। यह वह नहीं है।

164 यह वचन है! यह वचन चालू हो जाता है, यांत्रिकी पर उजियाला कर देता है और गतिकी बन जाती हैं। वे गतिकी है, जब गतिकी, यांत्रिकी में आती है। वह चीजों को घुमाना आरंभ कर देती है। यह ठीक बात है। वचन को ले। यदि वहां कोई छोटी चीज जाती है, इस पर, यह चालू नहीं होगा। हर बोझ को एक ओर रख दे, हर वाद, हर मतसार, कि वह गतिकी, पवित्र आत्मा, वचन में होकर आ सकती है और वचन को जो इस दिन के लिए प्रतिज्ञा किया हुआ है, प्रमाणित करता है; तब परमेश्वर की महान कलीसिया जेट हवाई जहाज के समान अपने पैरों पर खड़ी होगी, आकाश में उठ जायेगी कि अपने स्वामी से मिले। यह बिल्कुल ठीक बात है। जब तक हम यह नहीं करते यह काम नहीं करेगा। इसके विषय में यही है। जी हां, श्रीमान। इसे कौन करेगा? इस दिन में इसे कौन बनाए रखेगा जिस विषय में हम सोच रहे हैं? स्मरण रखे, स्मरण रखे, भाई।

165 अब यह मुझे एक दूसरी छोटी कहानी स्मरण दिलाता है। कहानियों पर वापस नहीं जा रहा हूं, परंतु मेरा एक मित्र जो कार्ल्सबेड, न्यू मेक्सिको में खड़ा था, जब हम वहां कार्ल्सबेड में सभाये कर रहे थे। वहां लोगों का एक झुण्ड इस गुफा में गया।

166 ओह मैंने—मैंने ऐसा कभी नहीं किया, वहां नीचे जहां यह गहरा है, और लगभग एक मील जमीन में, मैं, मैं यहां संतुष्ट हूं। इस प्रकार वे नीचे गये, मैं ऊँचे पर जाना चाहता हूं ना कि नीचे। इसलिए मैं...

167 उन्होंने इस व्यक्ति को लिया, वहां नीचे गये। और वह एक पुरुष मित्र और उसकी छोटी लड़की और छोटा लड़का उनके साथ नीचे गया। और—और नीचे गये बड़े तहखाने में गये, ओह, मैं समझता हूं, सैकड़ो और सैकड़ो और सैकड़ो फीट जमीन के नीचे, वहां नीचे तक चले गये। और व्यक्ति ने वहां एक बटन के द्वारा, एकदम [भाई ब्रन्हम चुटकी बजाते हैं।—सम्पा।] बटन बंद कर दिया। और यह इतना घना अंधेरा यहां तक कि आप अपना हाथ अपने मुख के सामने चलता हुआ नहीं देख सकते। एक छोटी लड़की, छोटी वास्तव में डर गई। और वह बहुत जोर से चिल्लाने लगी, "ओह, यह अंधेरा है! यह अंधेरा है! यह अंधेरा है," बुरी तरह से चिल्ला रही थी।

168 उसका छोटा भाई खड़ा हुआ था। वह अंधकार में चिल्लाया, उसने

कहा, "छोटी बहन, डर मत, यहां एक व्यक्ति है, जो उजियाला कर सकता है।"

169 हाल्लेलुय्या! छोटी कलीसिया क्या करने जा रही है? चिंता ना करें। आज एक मनुष्य है, जो उजियाला कर सकता है, यह प्रभु यीशु मसीह है। ओह, हां। प्रभु यीशु मसीह!

170 स्मरण रखें अंधे... वे—वे धनी लोग यीशु के जन्म के दिनों में, वे बाहर नहीं निकाले गये और यरूशलेम की चमक से अंधे हुए, जब वे वहां पहुंचे, उसके विषय में पूछते हुए। उनका धर्मविज्ञान—धर्मविज्ञान इसकी व्याख्या नहीं कर सकता। परंतु जब वे एक और हो गये, उन्होंने इसका अनंत जीवन ज्योति में अनुकरण किया।

171 आप व्यापारियों, आज संस्थाओं की चमक पर ध्यान ना दें, परंतु वचन को पकड़े। यह आपकी उजियाले की ओर अगुवाई करेगा, छोटी बहन मत डर, यहां एक व्यक्ति है, जो उजियाला कर सकता है। यहां पर मसीह है, जो अपने वचन को जीवित कर सकता है, ठीक वैसे ही जैसे वह तब था, स्वयं को प्रमाणित करता है कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं?

आईये हम खड़े हो जाये।

172 इसके पहले कि मैं अगली सभा में मेरे पास पंद्रह मिनट है, क्या आप अपने हाथ खड़े करना पसंद करेंगे और कहे, "परमेश्वर मेरे लिए उजियाला कर दे, आज प्रातः, मैं वचन का विश्वास करता हूं। मैं यांत्रिकी का विश्वास करता हूं, प्रभु मुझे गतिक से भर दे"? अपने हाथ उठा कर और उसे पुकारे, "प्रभु, उजियाला कर दे!" यहाँ एक मनुष्य है, जो उजियाला कर सकता है। हम मृत है, साम्यवाद में, और संस्थाओं के सब प्रकार के कीड़ों से खाये हुये हैं, परंतु यहां मनुष्य एक है जो उजियाला कर सकता है। वह मनुष्य पवित्र आत्मा है, यीशु मसीह आत्मा में प्रगट हुआ!

173 प्रभु यीशु, इसमें से प्रत्येक हाथ को छू ले; केवल हाथों को ही नहीं, परंतु हाथ के नीचे हृदय को, और सुसमाचार की ज्योति जला दे। यीशु के नाम में!

64–0125 ज्योति जलाना
रमादा इन्
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2015 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org